डॉ. जिगर इनामदार

डॉ जिगर इनामदार का संक्षिप्त परिचय

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री (2006) और महामंत्री (2007-2010) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विस्तारक योजना और अभ्यास वर्ग (प्रशिक्षण शिविर) को तहसील स्तर पर विस्तारित किया। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर, स्वतंत्रता आंदोलन संबंधित गुजरात के ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने वाली क्रांति गाथा यात्रा का आयोजन किया गया, और डॉक्यूमेंटरी फिल्म का निर्माण (2007) किया गया।

2007 में, 27 साल की उम्र में, उन्होंने पारंपरिक कांग्रेस सीट सावली से विधान सभा के लिए, भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और छोटे अंतर से पराजित हुए।

गुजरात राज्य स्वामी विवेकानंद युवा बोर्ड (एसवीजीआरवाईबी) के संयोजक (2018) के रूप में, उन्होंने पूरे गुजरात में युवा संगठनों के नेटवर्क का विस्तार किया और आठ क्षेत्रों, 33 जिलों और 251 तहसील, 161 नगर पालिका और 15000 गांवमें सरकारी कार्यक्रमों के कुशल वितरण के लिए एक संरचना की स्थापना की। । पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, ऊर्जा और स्वास्थ्य सहित सामाजिक मुद्दों की जागरूकता फैलाने और लागू करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री आदरणीय विजय रूपाणी जी के नेतृत्व में सप्त संकल्प अभियान (सात लक्ष्य आंदोलन) का शुभारंभ।

1996 से 1999 तक, उन्होंने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में एक छात्र नेता के रूप में काम किया। 2007 के बाद से, वह सीनेट-सिंडिकेट के सदस्य रहे हैं और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को जोड़ने के लिए ऑफिस ऑफ एल्यूमिनाई अफेयर्स, छात्र सुविधा केंद्र और कई नई पहल की शुरूआत की है।

वह भविष्य के नेतृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के इन्स्टिट्यूट ऑफ लीडरशिप एंड गवर्नंसके संस्थापक निदेशक हैं (2015) राजनीतिक नेतृत्व में एक वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम, साथ ही भगवद गीता , कौटिल्य अर्थशास्त्र, वीर सावरकर और सरदार पटेल सहित विभिन्न विषयों पर अल्पकालिक प्रमाणपत्र कार्यक्रमों का शुभारंभ।

वह वर्तमान में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के रीजनल हेड (2016 से) के रूप में कार्य करते है। उनके नेतृत्व में उन्होंने राज्य के शिक्षा संस्थानों के साथ समन्वय से विदेशी छात्रों के लिए अध्ययन सुविधाओं में सुधार करके विदेशी छात्रों की संख्या में काफी वृद्धि की।

उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के "एकात्म मानवदर्शन" (2015) का गुजराती और महाराजा सयाजीराव की प्रशासनिक प्रशिक्षण पुस्तक "माइनर हिंट्स" (2018) का हिंदी अनुवाद किया। "वीर सावरकर: एकता और अखण्डता के साधक," (2019) हिंदी पुस्तक का संपादन किया।

'सर सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय के प्रजाप्रशासन की समकालीन प्रासंगिकता' विषय पर डॉक्टरेट (2019)

युवाओं के क्षेत्र में उनके योगदान (2019) के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध "आसियान-भारत युवा पुरस्कार 2019" उन्हें गुवाहाटी में प्रदान किया गया।

डॉ. जिगर चंपकलाल इनामदार का विस्तृत प्रोफ़ाइल

B.Com, L.L.B., M.A.(Political Science), Ph.D.(Public Administration)

वर्तमान उत्तरदायित्व

- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार एवं क्षेत्रीय निदेशक (17 सितम्बर 2016 से)।
- सीनेट सदस्य, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, डोनर्स कैटगरी से चुने गए (10 फरवरी 2017 से)
- लगातार पांचवें कार्यकाल के लिए सिंडिकेट सदस्य, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा, जनरल कैटगरी से चुने गए (3 मार्च 2009 से)
- अध्यक्ष, गवर्निंग बॉडी, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (10 जून 2022 से)
- सदस्य, गवर्निंग बॉडी, दयालसिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (दिसंबर 2022 से)
- सलाहकार समिति सदस्य, सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय (दिसंबर 2022 से)
- संयोजक, समन्वय प्रतिष्ठान
- सलाहकार (12 जनवरी 2018 से) और संस्थापक तथा पूर्व मानद कार्यकारी निदेशक, नेतृत्व और गवर्नेंन्स संस्थान (12 जनवरी 2016 से 12 जनवरी 2018 तक), महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा
- सलाहकार, त्रिवेणीदेवी काशीनाथ अग्रवाल मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बड़ौदा (12 जनवरी 2018 से)
- इंडिया फाउंडेशन में विजिटिंग फेलो (10 अक्टूबर 2003 से)
- निदेशक, समलाया कॉटन जिनिंग एंड प्रेसिंग यूनियन (अप्रैल 2003 से)
- निदेशक, अलींद्रा समूह कपास किसान संघ (अप्रैल 2003 से)

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- सयाजीराव विश्वविद्यालय [एमएसयू] से वाणिज्य स्नातक (बी.कॉम) (वर्ष 2000)
- सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, आणंद [एसपीयू] से विधि स्नातक (एलएलबी) (वर्ष 2008)
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय [इग्नू] से राजनीति विज्ञान में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) (वर्ष 2013)
- लोक प्रशासन विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत [वीएनएसजीयू] से 'सर सयाजीराव गायकवाड़-3 के लोक प्रशासन की वर्तमान युग में प्रासंगिकता' विषय पर लोक प्रशासन में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) (वर्ष 2019)
- वे वर्तमान में राजनीतिक सुधार, चुनावी सुधार, और भारत के राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र और मुंबई विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावित राजनीतिक दल विनियमन अधिनियम में पोस्ट-डॉक्टरेट अध्ययन की तैयारी कर रहे हैं।
- वे भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता से नेतृत्व और प्रबंधन में एक वर्षीय (वर्ष 2021-22) कार्यकारी प्रोग्राम भी कर रहे हैं।

सार्वजनिक जीवन

विद्यालय स्तर पर छात्र नेता

- वे अपने पहले स्कूल, माल अंकलिया प्राइमरी स्कूल, अपने गांव माल अंकलिया के सरकारी स्कूल के 1986-87 के दौरान 7 साल की उम्र में "सरपंच" (स्कूल के अध्यक्ष / महासचिव के समकक्ष) थे।
- वे अपने दूसरे स्कूल शारदा मंदिर हाई स्कूल, वडोदरा के 1987-88 और 1988-89 के दौरान क्लास मॉनिटर थे।
- वे अपने तीसरे स्कूल, जीवन साधना हाई स्कूल, वडोदरा के 1989-90, 1990-91, 1991-92, 1992-93, 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान क्लास मॉनिटर थे।
- वे 1993-94 के दौरान जीवन साधना स्कूल छात्र संघ के सचिव थे।
- वे 1994-95 के दौरान जीवन साधना स्कूल छात्र संघ के महासचिव थे

विश्वविद्यालय स्तर पर छात्र नेता

- फैकल्टी रिप्रजेंटेटिव (एफ.आर.), 1996-97.
- स्वतंत्र भारत के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 15 अगस्त, 1997 को "स्वर्ण जयंती समारोह" का आयोजन किया।
- फैकल्टी जनरल सेक्रेटरी ऑफ कॉमर्स, 1997-98.
- 1998-99 में विश्वविद्यालय महासचिव के लिए चुनाव लड़ा, लेकिन चुनाव के बाद परिणाम अघोषित रहे।
- 30 अप्रैल, 1999 को बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर "स्वर्ण जयंती समारोह" का आयोजन किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबंधित परिचय

- शुरू से ही कई चुनाव लड़े, क्लास मॉनिटर होने से लेकर स्कूल के जनरल सेक्रेटरी होने तक (स्कूल स्तर पर पहला चुनाव 7 साल की उम्र में लड़ा था)

- बीजेपी [भारतीय जनता पार्टी] के साथ 1990 से गुजरात विधानसभा चुनाव के समय 10 साल की उम्र में लेफ्टिनेंट मधुभाई शाह के लिए काम करना शुरू किया।

- बूथ प्रभारी से लेकर प्रदेश युवा विंग के महासचिव बनने तक 1995 से 2010 तक भाजपा में निम्नानुसार विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं।

  ·विवरण निम्नानुसार हैं:
  - बूथ प्रभारी, 1995
  - वार्ड नं. 8 भाजपा सचिव, 1998
  - वडोदरा जिला युवा भाजपा सचिव, 1999 से 2002
  - प्रभारी जिला युवा भाजपा महासचिव, 2005, वडोदरा
  - गुजरात राज्य युवा भाजपा सचिव, 2006
  - गुजरात राज्य युवा भाजपा महासचिव, 2007 से 2010
  - 2007 में 27 वर्ष की आयु में सावली निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के रूप में में सबसे कम उम्र के उम्मीदवार के रूप में विधायक के लिए चुनाव लड़ा, लेकिन मामूली अंतर से चुनाव हार गए।

- **भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकाल में की गई कुछ पहल**
  उन्होंने एक वृत्तचित्र "1857- जाग उठा हिंदुस्तां" बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उन्होंने 1857 की भारत की पहली स्वतंत्रता संग्राम के 150 साल पूरे होने का समारोह मनाने के लिए "क्रांति गाथा यात्रा" का डिजाइन किया।

  "विस्तारक योजना" की शुरूआत की (जिसमें पार्टी के युवा कार्यकर्ता 7 दिनों के लिए राज्य के हर गांव में गए। इसे सभी जगहों पर दोहराया गया)
  जमीनी स्तर पर "अभ्यास वर्ग" (गुजरात के सभी 4 क्षेत्रों में पार्टी के स्थानीय स्तर से लेकर राज्य स्तर के युवा विंग के कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण शिविर। इसे सभी स्थानों पर दोहराया गया)

- **आरएसएस से संबंधित परिचय**
  तृतीय वर्ष शिक्षित स्वयंसेवक

  2002 से 2005 के दौरान सावली के शारिरिक प्रमुख रहे

स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड के संयोजक के रूप में

- खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, गुजरात सरकार के तहत स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड (एसवीजीएसवाईबी) के पूर्व संयोजक।

- डॉ. जिगर इनामदार द्वारा नवंबर, 2018 में उपक्रम को पुनर्जीवित किया गया था। इस पहल के तहत, उन्होंने 8 जोन, 33 जिला, 251 तालुका और 161 नगरपालिका में सरकारी परियोजनाओं और योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए ग्राम और नगर पालिका स्तर पर 15,000 से अधिक स्वामी विवेकानंद युवा केंद्र के माध्यम से समानांतर सहायक संरचना बनाने के लिए गुजरात के लगभग 800 पूर्णकालिक युवाओं का समन्वय किया। इसके अलावा स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड लगातार युवाओं को सकारात्मक और रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने के लिए कार्य कर रहा है।

- उन्होंने एक टीम का नेतृत्व किया जो "गुजरात राज्य युवा नीति" का मसौदा तैयार कर रही थी।

- स्वामी विवेकानंद युवा मंडल के तहत, उन्होंने "सप्त संकल्प अभियान" की शुरुआत की जो गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी जी द्वारा 12 जनवरी 2020 को शुरू किया गया था। ये

7 संकल्प इस प्रकार थे

1. सभी के लिए स्वच्छता

(स्वच्छ भारत अभियान को गुजरात के सभी घरों में ले जाना और ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रशिक्षण आयोजित करना)

2. सभी के लिए आरोग्य

(स्वास्थ्य संबंधी सभी योजनाओं को घर-घर पहुँचाना तथा सभी गाँवों में अखाड़ा एवं व्यायाम संस्कृति का निर्माण करना)

3. सभी के लिए खेल

(सभी गांवों को खेल मैदान एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना)

4. सभी के लिए स्वावलंबन

("अर्थिक स्वावलंबन" से संबंधित सभी योजनाओं के कार्यान्वयन में जागरूकता पैदा करना और महत्वपूर्ण भूमिका निभाना")।

5. सभी के लिए ऊर्जा

(सौर परियोजनाओं और पहलों के बारे में जागरूकता पैदा करना)

6. सभी के लिए सेवा

(गुजरात के बच्चों को कम से कम 1 वर्ष के लिए एक सामाजिक परियोजना को अपनाने के लिए प्रेरित करना)

7. सभी के लिए समर्पण

(गुजरात के शहरों के युवा गांवों में सप्त संकल्प अभियान को लागू करने के लिए कम से कम 30 रविवार समर्पित करने के लिए अपने समय के समर्पण का संकल्प लेते हैं, इस परियोजना को लागू करने के लिए एक युवा या युवाओं का समूह एक गांव को गोद ले सकता है)

कार्यक्रम के प्रमुख पहलू

1. सप्त संकल्प अभियान के इस पूरे आंदोलन की योजना गुजरात के युवाओं को संगठित करने के उद्देश्य से बनाई गई थी। इस सात संकल्प के माध्यम से गुजरात सरकार गुजरात के हर घर तक पहुंचना चाहती थी और गुजरात को रहने के लिए बेहतर स्थान बनाना चाहती थी।

2. इस कार्यक्रम को "गुजराती युवाओं के सामाजिक उत्तरदायित्व" के रूप में तैयार किया गया था और पूरे वर्ष चलाने का इरादा था।

3. इस कार्यक्रम की योजना "मारा गुजरात माटे मारू 1 वर्ष" के तहत बनाई गई थी, जिसका अर्थ युवाओं को निम्न पर केंद्रित चीजों के बारे में जागरूक करना था -

- राष्ट्र के लिए युवा
- समाज के लिए युवा
- विकास के लिए युवा

4. विभिन्न सरकारी एजेंसियों, संस्था, संगठन और समान विचारधारा वाले लोगों की मदद से वे सामूहिक रूप से हमारे लक्ष्य तक पहुंचना चाहते थे।

समाज के लिए योगदान

राष्ट्रीय एकता के नेक इरादे से पूर्वोत्तर क्षेत्र, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, कश्मीर - लद्दाख, केरल-तमिलनाडु और हमारे देश के आदिवासी क्षेत्रों के जरूरतमंद छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए बड़ौदा लाने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित **"आसियान-भारत युवा पुरस्कार 2019"** के प्राप्तकर्ता हैं।

“समन्वय प्रतिष्ठान” के तहत सामाजिक गतिविधियाँ
(300 से अधिक स्वयंसेवकों की टीम के साथ, डॉ. जिगर इनामदार 17 से अधिक विविध सामाजिक गतिविधियों और पहलों में इस संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं)

समन्वय प्रतिष्ठान
संयुक्त ज्ञान - संयुक्त प्रयोग - संयुक्त प्रयास
समानी व आकूति: समाना हृदयानि व:। समानमस्तु वो मनो यथा व: सुसहासति॥

(जैसे ब्रह्मांड के सभी विभिन्न पहलू एक साथ, समग्रता में मौजूद हैं उसी तरह हमारा उद्देश्य एक हो, हमारी भावनाएँ सामंजस्यपूर्ण हों, हमारा मन संकेन्द्रित हो - ऋग्वेद)
"समन्वय प्रतिष्ठान" एक ऐसा संगठन है, जो सही सोच, आचरण और प्रयासों के माध्यम से पूरे समाज को ज्ञान के उच्च स्तर तक ले जाने के लिए अत्यधिक प्रतिबद्ध है। ईमानदारी और नेक इरादे के साथ यह संगठन जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव किए बिना मानव जाति के कल्याण के लिए प्रयास करता है।
समन्वय प्रतिष्ठान वडोदरा स्थित संगठन है जो संख्या एफ/2684/वडोदरा के तहत चैरिटी कमिश्नर के कार्यालय में पंजीकृत है और 80जी और 12ए प्रमाणपत्रों के साथ मान्यता प्राप्त है। "समन्वय प्रतिष्ठान" करुणा और ईमानदारी के साथ पूरे देश की सेवा करना चाहता है। यह संगठन भविष्य में विदेशों में अपनी सेवाओं का विस्तार करने की कल्पना भी करता है।
इस संगठन का प्रबंधन सामूहिक रूप से उसके न्यासी, एक प्रबंधन समिति और समर्पित स्वयंसेवकों द्वारा किया जाता है। ये स्वयंसेवक बड़े पैमाने पर समाज की बेहतरी के लिए अपनी पूर्णकालिक भुगतान या अंशकालिक स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान करते हैं। निकट भविष्य के लिए एक रोडमैप के रूप में, संगठन ने अपने नेक कार्यों के लिए पूर्णकालिक शोधकर्ताओं और विषय विशेषज्ञों को शामिल करने की योजना बनाई है।
संगठन की छोटी सी शुरुआत को चिह्नित करने के लिए यहां ग्यारह अनूठी पहल और कार्यक्रम प्रस्तावित किए गए हैं। इन परियोजनाओं को बाद में "समन्वय प्रतिष्ठान" के माध्यम से पूरा किया जाएगा। परियोजनाएं एक समग्र दृष्टिकोण और समाज में मानव जाति के प्रति निस्वार्थता, करुणा और उदारता के मूल्यों को चित्रित करने का विनम्र प्रयास है।

समन्वय प्रतिष्ठान की पहल

अंत्योदय
THE PEOPLE PROJECT

अन्त्योदय
अंतिम का उत्थान, अंतिम तक उत्थान।

पथका अंतीम लक्ष्य नहीं, सिंहासन चढते जाना। सब समाज को लिए साथ में आगे ही बढ़ते जाना।
(सिंहासन प्राप्त करना पथ का लक्ष्य नहीं है। हमें समाज के रूप में एक साथ आगे बढ़ना है।)

सभ्य समाज के अंतिम सदस्य का विकास और उत्थान उस समाज के लिए एक मार्कर के रूप में कार्य करता है।
अंत्योदय का मिशन वंचित वर्ग के विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होना और जुड़ना है। वर्तमान में, सबसे निचले सामाजिक-आर्थिक तबके के लोगों तक पहुंचने के लिए, सरकार के पास ऐसे कई कार्यक्रम हैं जो नागरिकों के लिए उनके जन्म के समय से लेकर उनकी मृत्यु तक फायदेमंद हो सकते हैं।
इस परियोजना का प्राथमिक लक्ष्य किसी भी व्यक्ति को "वर्चुअल" कार्यालय के माध्यम से अपने जीवनकाल के लिए सभी प्रासंगिक कागजात के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सटीक रूप से निर्देशित करना है।
इस "वर्चुअल" कार्यालय के माध्यम से, सरकार और अन्य गैर सरकारी संगठनों, संस्थानों और अन्य संगठनों के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी, उनके लाभ प्राप्त करने की पात्रता, उसके लिए आवश्यक दस्तावेज, और इसकी प्रक्रिया, सभी को केवल एक क्लिक पर सुलभ होगी।
इसके साथ ही आम लोगों को उनकी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए "वर्चुअल" सहायता प्रदान की जाएगी।
यह हाइब्रिड तकनीक का युग है जहां इंटरनेट का उपयोग व्यावहारिक रूप से दुनिया में हर कहीं उपलब्ध है इसलिए नागरिकों को अब किसी भी कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए किसी भी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, वे इस "वर्चुअल" कार्यालय में "वर्चुअल" यात्रा के माध्यम से अपना काम पूरा करते हैं। यह अंत्योदय के समर्थन में "अंत्योदय का" सौम्य भाव है।
अंत्योदय नागरिकों को आत्मनिर्भरता विकसित करने में मदद करने के अभियान के रूप में जारी रहेगा ताकि वे अपनी चुनौतियों का जवाब खोजने के लिए काम कर सकें।

समन्वय
विद्यापीठ

समन्वय विद्यापीठ

अनेकसंशयोच्छेदि परोक्षार्थस्य दर्शकम्।
सर्वस्य लोचनं शास्त्रं यस्य नास्त्यन्ध एव सः॥

(यह कई शंकाओं को दूर करता है और क्या स्पष्ट है और क्या नहीं है का अर्थ दिखाता है। शास्त्र सभी के लिए नेत्र हैं। जिसके पास यह नहीं है वह वास्तव में अंधा है।)

नई शिक्षा नीति (एनईपी) पर चर्चा अभी जारी है। COVID काल के दौरान, शिक्षा प्रणाली में कई नवाचार सामने आए, जैसे दोहरे मोड से सीखने का कार्यान्वयन। हालाँकि, क्या समकालीन छात्र इन संशोधनों को समायोजित करने में सक्षम हैं? क्या उनमें गतिशील वातावरण में सीखने की क्षमता है? ये सारे सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं।

अभी हमारा सबसे महत्वपूर्ण विषय, साथ ही हमारे सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक, छात्रों की सीखने की क्षमता में सुधार करना है। कई ग्रंथ, जैसे शतावधानी और वैदिक गणित, छात्रों के लिए सीखना सरल बनाते हैं। जिस गुरु-शिष्य परंपरा को मैकाले ने नष्ट कर दिया था और संपूर्ण भारतीय शिक्षा व्यवस्था को क्षति पहुँचाई थी, वह अब मार्गदर्शन के रूप में हमारे सामने जन्म ले रही है।

"समन्वय विद्यापीठ के माध्यम से प्राचीन भारतीय शिक्षण विधियों को समकालीन विषयों के साथ जोड़कर और गुरुकुल परंपरा के रूप में ज्ञात पौराणिक प्रयोग को संदर्भ देकर परंपरा और आधुनिकता के सह-अस्तित्व की शुभ शुरुआत करने का एक छोटा-सा प्रयास किया जाता है।

समन्वय शोध संस्थान

ज्ञान संध्यानं सम्पादित पादयेत
–चाणक्य

(आइए हम विशेष ज्ञान के माध्यम से खुद को सशक्त बनाएं –चाणक्य)

तकनीकी ज्ञान वास्तव में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल है या नहीं, यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि आज दुनिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से आगे बढ़ रही है। तीव्र गति से विकसित हो रहे नवीन नवाचार वर्चुअलाइजेशन की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

"समन्वय शोध संस्थान" अनुसंधान को प्राथमिकता देने का एक प्रयास है जो प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के बीच सामंजस्य स्थापित करेगा।
अकादमिक उन्नति का मापक, एपीआई (अकादमिक प्रगति सूचकांक) आज अधिकांश अध्ययनों का विषय है। चूंकि यह क्षेत्र वर्तमान में एपीआई के दृष्टिकोण से बहुत प्रासंगिक नहीं है, ऐसे कई विषय और स्थान हैं, जहां अध्ययन की जबरदस्त क्षमता के बावजूद, इस बिंदु तक इन मुद्दों पर कोई वास्तविक शोध नहीं हुआ है। "समन्वय शोध संस्थान" के माध्यम से ऐसे दुर्बोध विषयों पर शोध को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। उदाहरण के लिए: दशकों पहले बनाई गई मूर्तियों के लिए कुछ असाधारण तकनीक के ज्ञान के बिना उनका आकार लेना संभव नहीं था। हजारों वर्षों से विशाल महलों का निर्माण किया गया है, फिर भी अत्याधुनिक तकनीक और संसाधनों से विकसित आधुनिक संरचनाएं मुश्किल से कुछ वर्षों तक चलती हैं। उस युग के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर विचार करना और उसका परीक्षण करना महत्वपूर्ण है जिसने इन संरचनाओं को इतने लंबे समय तक मजबूती प्रदान की।

यदि इन विषयों पर छानबीन की जाए तो निस्संदेह आज कुछ अत्यंत उपयोगी जानकारी प्राप्त होगी।

युगांतर सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन (वाईएसपीएम)

होगई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
मेरे सीनेमें नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए॥

(यह पीड़ा पहाड़ जैसी हो गयी है लेकिन अब इसे पिघलना चाहिए। इस हिमालय से, कोई गंगा निकलनी चाहिए। मेरे सीने में नहीं तो तुम्हारे सीने में ही सही, जहाँ भी आग है, आग जलनी चाहिए।)

देश के युवाओं में सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में उनके ईमानदार योगदान के माध्यम से समाज और देश को और अधिक शक्तिशाली बनाने की क्षमता है। देश की कई समस्याओं का समाधान सामाजिक नेतृत्व से निकाला जा सकता है, जो समय की मांग है। इसी तरह,
राजनीतिक नेतृत्व देश की कई राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं का सटीक समाधान भी ला सकता है। इसलिए कुशल और दूरदर्शी युवा नेतृत्व समाज और देश की प्रगति के लिए अपरिहार्य है।

दिन-ब-दिन नई-नई बाधाएं सामने आ रही हैं और "युगांतर सामाजिक-राजनीतिक अभियान" पूर्वाग्रह को खत्म करने की दिशा में पहला कदम है। रचनात्मक और उपयोगी प्रयासों में युवाओं को शामिल करके राष्ट्र और समाज के सामाजिक ताने-बाने के निर्माण का प्रयास किया जाएगा।

युगान्तर

॥ कारण नहीं, निराकरण ॥

"YUGAANTAR FELLOWSHIP" - A MOVEMENT TOWARDS SELFLESSNESS

■ युगांतर फेलोशिप

निस्वार्थता की ओर एक अभियान...

॥ स्वस्ति पंथा मनु चार॥

ऋग्वेद 5/51/15

(आइए हम नेक मार्ग पर चलें।**)**

(Rigveda - 5/5/15)

समाज में ऊँच-नीच, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई स्वस्थ समाज के भविष्य के लिए बेहद खतरनाक है। दिन-ब-दिन बढ़ती हुई सामाजिक खाई को कम करने की दिशा में, युगांतर सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन (वाईएसपीएम) यानि "युगांतर फैलोशिप" के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक और रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रखते हुए सामाजिक निर्माण और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आवर्ती अभियान का पहला कदम है।

इस पहल के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के युवा वर्ष के 365 घंटे समाज के लिए समर्पित करेंगे, अंत्योदय और ग्रामोदय के लिए प्रयास करेंगे।

"डॉ. कलाम अर्बन फेलोशिप" के माध्यम से 100 युवाओं की 50 टीमें शहरी मलिन बस्तियों को गोद लेंगी और उन्हें बेहतर के लिए दिन में एक घंटा काम करेंगी।

"स्वामी विवेकानंद ग्रामीण फैलोशिप" के माध्यम से अपने जिले के 50 अविकसित गांवों को गोद लेने के लिए 100 युवाओं को 50 टीमों में संगठित किया जाएगा। प्रत्येक रविवार, वे समग्र रूप से समुदाय को बेहतर बनाने के लिए सात घंटे काम करेंगे।

ગુજરાત થિંકર્સ ફેડરેશન

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् |
वृणते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव संपदः ||

(जल्दबाजी में कोई कार्य नहीं करना चाहिए। विचारहीन कार्यों से समस्याएँ आती हैं। धन गुणों से मंत्रमुग्ध हो जाता है और उस व्यक्ति को चुनता है जो सही ढंग से सोचकर कार्य करता है।)

गुजरात थिंकर्स फेडरेशन (जीटीएफ) का लक्ष्य पूरे गुजरात के युवा और प्रतिभा-संपन्न विचारकों को एक मंच पर लाकर एक वैचारिक मंच विकसित करना है ताकि गुजरात और पूरे देश के उज्ज्वल भविष्य पर विचार किया जा सके।

यह 21वीं सदी के मुद्दों के यथार्थवादी समाधान खोजने का एक वास्तविक प्रयास है। ज्ञान के इस युग में, जब अर्ध-सत्य और भ्रम प्रचुर मात्रा में हैं, जीटीएफ समाज को "भ्रम से स्पष्टता की ओर ले जाने" में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

2016 से, जीटीएफ ने विचारकों की चार बैठकें आयोजित की हैं, जिसमें पूरे गुजरात के युवाओं ने भाग लिया है और विचार-विमर्श के माध्यम से विभिन्न चुनौतियों के उत्तर खोजने का प्रयास किया है।

हर साल, यह कार्यक्रम दो दिवसीय राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन करता है, जिसके बाद पूरे गुजरात में क्षेत्रीय स्तर (दक्षिण मध्य, उत्तर, सौराष्ट्र और कच्छ) में डेढ़ दिन की क्षेत्रीय बैठक होती है, और अंत में प्रत्येक जिले में एक दिवसीय जिला स्तरीय बैठक आयोजित की जाती है।

जीटीएफ प्रासंगिक विषयों पर सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित करता है, विशेष रूप से वे जो विचारकों की पहचान करने और उन्हें तैयार करने में मदद करते हैं, युवा विचारधाराओं को बढ़ाते हैं, और प्रासंगिक प्रवृत्तियों और चिंताओं के साथ-साथ वर्तमान, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों को समझने में उनकी मदद करते हैं।

इसके अलावा, जीटीएफ राष्ट्रीय हित के लिए महत्वपूर्ण कुछ उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए थिंक टैंक प्राप्त करने के लिए विशेष विमर्श करेगा।

समन्वय प्रतिष्ठान के 11 प्रकल्प

1. संवाद

वाण्येका समलंकरोति पुरूषं या संस्कृता धार्यते।
क्षीयते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(मनुष्य की शोभा सुचयनित शब्दों के अलावा किसी अन्य चीज़ से भी नहीं बढ़ती,
गहनों की आभा समय के साथ फीकी पड़ जाती है, परन्तु मधुर वचनों की महिमा अविरल रहती है।**)**

"संवाद" के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विषयों पर कार्यशालाओं, चर्चा सभाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा। इस परियोजना में देश और विदेश के समान विचारधारा वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, सार्थक प्रवचन में शामिल होने और ऊर्जा को सही दिशा में तालमेल बिठाने के लिए शामिल किया जाता है।

2. सृष्टि

सर्वेषां यः सुहृद नित्यं सर्वेषां हिते रताः (महाभारत शान्ति पर्व 25 .9.17)
श्रान्त संवाहन रोग परिचर्या सुरार्चनम्।
रोगस्तेषु च यद्दत्तं तस्याद् बहुमतं धनम।।
(बीमार और दिव्यांग लोगों की सहायता के लिए दी गई धनराशि उत्कृष्ट फल प्रदान करती है।**)**
(सृष्टि/संसार वह है जिसे आप आंखों से देखते हैं और स्पर्श से महसूस करते हैं। इसलिए, उन लोगों के जीवन में रंग भरने के लिए, जो अंधेरे के अलावा कोई रंग नहीं जानते हैं, आइए मृत्यु के बाद उनके जीवन में रंग भरने के लिए अपनी आंखों को दान करने का निर्णय लें। इसी तरह, हमारी मृत्यु के बाद अंग दान करने का फैसला करें ताकि हमारे अंग किसी को नया जीवन दे सकें। उसी तरह, आइए यह सुनिश्चित करने का निर्णय लें कि हमारी मृत्यु के बाद, चिकित्सा विज्ञान में आगे के अध्ययन और अनुसंधान के लिए शवों की कमी को दूर करने के लिए हम हमारे शरीर का दान करेंगे।**)**

"सृष्टि" द्वारा बार-बार रक्तदान शिविर आयोजित करना समुदाय में करुणा की भावना को बढ़ाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है। यह समाज में परोपकार की भावना को मजबूत करने का एक विनम्र प्रयास है।

3. संवेदना

सर्वत्र जनस्यार्थम करिष्याम्यहम (अशोकवाणी)।
स्वजनम तर्पयित्वा यः शेषभोजी सः अमृतभोजी (चाणक्य)
अपने लोगों और संबंधियों को संतुष्ट करने से व्यक्ति को अमृत का स्वाद मिलता है - चाणक्य
"संवेदना" के माध्यम से सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों और उनके परिवारों को उचित मार्गदर्शन दिया जाएगा। अस्पताल प्रशासन के साथ उचित माध्यमों और उचित संप्रेषण के माध्यम से रोगियों के विभिन्न प्रश्नों और समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वडोदरा के सर सयाजीराव जनरल अस्पताल में ट्रायल शुरू होगा।

- **4. संस्कृति**

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥
(पञ्चतन्त्रम्, पंचम तंत्र, "अपरीक्षितकारकम्)

('यह मेरा है, वह तेरा है ऐसी गणना संकीर्ण सोच वाले लोग ही करते हैं। इसके विपरीत, उदार चरित्र वाले लोगों के लिए संपूर्ण ब्रह्मांड एक परिवार होता है।**)**

(जिनके देवता स्वयं नटवर नगर और स्वयं नटराज हैं, क्या नृत्य, संगीत और नाटक के बिना उनकी संस्कृति उनके बारे में सोचना भी संभव है**?)**

"संस्कृति" देश भर की विविध लोक कलाओं पर जोर देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करेगी और इस प्रयोग के माध्यम से "विविधता में एकता" की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

- **5. स्वीकार**

वदनं प्रसादसदनं सदयं हृदयं सुधामुचो वाचः।
करणं परोपकरणं येषां केषां न ते वन्द्याः॥

(सदा हर्षित, हृदय में करुणा, वाणी में अमृत के समान मधुरता और परोपकार में लिप्त रहने वाला। जिसके पास यह सब है उसकी प्रशंसा कौन नहीं करेगा**?)**

"स्वीकार" भेंट और स्वीकार करने के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है। इस परियोजना के माध्यम से, हमारे दैनिक जीवन में कम या अब उपयोग नहीं किए जाने वाले उत्पादों को योग्य स्थिति में बहाल करके जरूरतमंद लोगों को वितरित किया जाएगा।

- **6. स्पर्श**

विद्याभ्यासे गृहकृत्ये तावुभौ योजयेत क्रमात (शुक्र 3/99)

(अध्ययन और अन्य गतिविधियों में उचित मार्गदर्शन प्रदान करना सबसे बड़ा गुण है।**)**

(शुक्र 3/99)

"स्पर्श" समाज के सबसे वंचित और शोषित वर्गों के बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी निभाएगा, और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस पहल का लक्ष्य गरीब, कामकाजी और अनाथ बच्चों की शिक्षा के लिए एक व्यापक व्यवस्था तैयार करना है।

- **7. शब्द**

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः।
तैत्तिरीय उपनिषद् 1.11.1

(हमेशा सच बोलें। धर्म का पालन करें। स्वाध्याय कभी भी बंद न करें।**)**

सहस्राब्दियों का ज्ञान एक ही शब्द में समाया हुआ है। एक संदर्भ पुस्तकालय का निर्माण और भारतीय इतिहास, दर्शन, विभिन्न विचारधाराओं, गवर्नेन्स और प्रशासन पर दुर्लभ पुस्तकें प्राप्त करके, "शब्द" उन साहित्यिक रचनाओं को वापस लाने का प्रयास करेगा जो आंखों से ओझल हो गई हैं।

- **8. श्रद्धा**

  मय्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।
  श्रद्धया परयोपेतास्ते मेयुक्ततमा मता:॥
  भगवद गीता 12.2

  हमेशा दृढ़ और सर्वोच्च विश्वास के साथ जो मुझ में अपना मन लगाते हैं, मेरी पूजा करते हैं, मेरे विचार में वे योग में सर्वश्रेष्ठ हैं।

  "पश्चिमी संस्कृति का मूल चालक तत्व भौतिकवाद है, किंतु भारतवर्ष की आत्मा उसका धर्म है" - स्वामी विवेकानंद

  "श्रद्धा" के माध्यम से विभिन्न धार्मिक उत्सवों और त्योहारों का आयोजन कर भारतीय समुदाय में अंतरात्मा को पुनर्जीवित करने और संस्कृति और रीति-रिवाजों में लोगों की आस्था को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

- **9. सेतु**

  उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।
  क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्ग पथस्तत्कवयो वदन्ति॥

  (उठो, जागो और ज्ञानियों के सान्निध्य में ज्ञान प्राप्त करो; क्योंकि ज्ञान का मार्ग उस्तरे की धार के समान तेज, पार करना कठिन और इस पर चलना चुनौतिपूर्ण है।**)**

  "सेतु" युवाओं को उनकी महत्वाकांक्षाओं, सपनों और सबसे महत्वपूर्ण उनके "जीवन के उद्देश्य" को प्राप्त करने में सहायता करने में सहायक कारक के रूप में कार्य करेगा। अपनी तरह की इस अनूठी परियोजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार और प्रमुख प्रमाणपत्र प्राप्त करने में मदद की जाएगी।

- **10. समर्पण**

  यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
  यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्॥

  (हे कुंतीपुत्र**!** जो कुछ भी आप करते हैं, जो कुछ भी आप इस पवित्र अग्नि को अर्पित करते हैं, जो कुछ दान के रूप में देते हैं, जो कुछ तपस्या करते हैं, उसे उनके लिए वैसे ही करें जैसे कि आप उन्हें मुझे ही अर्पित कर रहे हों - ऋग्वेद**)**

  आज की दुनिया में, परिवार आकार में छोटे होते जा रहे हैं और संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। परिवार केवल शादी की तस्वीरों में एक साथ देखे जाते हैं। इस प्रकार, अब यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह अपने बुजुर्गों की देखभाल करे। "समर्पण" के माध्यम से अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सौहार्द्र और विभिन्न प्रकार की सहायता देने का प्रयास किया जाएगा।

- **11. संस्कार**

  सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यम् अप्रियम्।
  प्रियं च नानृतम् ब्रूयात्, एष धर्मः सनातन:॥

  (सच बोलो, मीठा बोलो। कड़वा सच मत बोलो। मीठा असत्य मत बोलो। यह एक शाश्वत कर्तव्य है।**)**

  "संस्कार" के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जन जागरूकता पहल के माध्यम से एक सुसंगत सामुदायिक संपर्क विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। इस प्रयास को ऐसे कौशल से संचालित किया जाएगा जो सोए हुए समाज को जगाए और उसे आत्मनिर्भर बनने में मदद करे।

इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली

·इंडिया फाउंडेशन के विजिटिंग फेलो के रूप में, उन्हें युवा विचारकों की पहल के विभिन्न क्षेत्रीय और शहर स्तर के चैप्टर्स के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है, जहां वे देश भर में 32 शहर स्तर के चैप्टर और 32 राज्य स्तर के चैप्टर शुरू करने का लक्ष्य रखते हैं।

·उन्होंने प्रतिनिधि और टीम के सदस्य के रूप में इंडिया फाउंडेशन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया है।

1. इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव, गोवा में दिसंबर 2014, दिसंबर 2015, नवंबर 2016, दिसंबर 2017, अक्टूबर 2018 (नई दिल्ली), मार्च 2020 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, गुजरात और जून 2022 में बेंगलुरु, कर्नाटक में।
2. हिंद महासागर सम्मेलन, अगस्त 2016 में सिंगापुर में, अगस्त 2017 में कोलंबो, श्रीलंका में, अगस्त 2018 में हनोई, वियतनाम में, सितंबर 2019 में मालदीव में और दिसंबर 2021 में अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात में।
3. भारत-आसियान युवा शिखर सम्मेलन 14 से 18 अगस्त 2017 को भोपाल, मध्य प्रदेश और दूसरा आसियान-भारत युवा शिखर सम्मेलन 3 से 7 फरवरी 2019 के दौरान गुवाहाटी, असम (भारत फाउंडेशन और भारत सरकार द्वारा आयोजित) में आयोजित किया गया।
4. सेंटर फॉर सॉफ्ट पावर, इंडिया फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली में 17-18-19 दिसंबर 2018 के दौरान आयोजित सॉफ्ट पावर पर पहला सम्मेलन।

विजन इंडिया फाउंडेशन- राष्ट्रम

वे विजन इंडिया फाउंडेशन- राष्ट्रम की विभिन्न गतिविधियों और उपक्रमों का हिस्सा रहे हैं।

1. पॉलिसी बूट कैंप (मई-जून 2015 के दौरान 21 दिवसीय आवासीय समर स्कूल)।
2. अक्टूबर 2016 के दौरान यूएसए में विश्व गवर्नेन्स अभियान-2016.
3. सितंबर 2017 के दौरान यूके में विश्व गवर्नेन्स अभियान-2017.
4. अक्टूबर 2018 के दौरान इज़राइल में विश्व गवर्नेन्स अभियान-2018.
5. जुलाई 2019 के दौरान रूस में विश्व गवर्नेन्स अभियान-2019 - विज़न इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित।

- वे सितंबर 2018 के दौरान आयोजित द्वितीय विश्व हिंदू कांग्रेस-शिकागो, यूएसए का हिस्सा थे।

- COVID-19 पहले लॉकडाउन के दौरान उन्होंने बड़ौदा शहर के 14 क्षेत्रों द्वारा शासित 56 विभिन्न क्षेत्रों के 500 से अधिक निस्वार्थ स्वयंसेवकों को शामिल करके प्रतिदिन लगभग 10,000 जरूरतमंद लोगों को भोजन कराने में मदद करने के लिए एक अलग तरह का ही सामाजिक नेतृत्व दिखाया है। पूरी प्रक्रिया गूगल फॉर्म और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के साथ संपन्न हुई।

शैक्षणिक और सांस्कृतिक क्षेत्र

एमएसयू में सेनेट और सिंडिकेट सदस्य

- सरकार द्वारा नामित सेनेट सदस्य (2007 से 2012)।
- निर्वाचित सिंडिकेट सदस्य (2009 से 2012)।
- सरकार द्वारा नामित सिंडिकेट सदस्य (2012 से 2015 और 2015 से 2018)।
- भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक के

इतिहास में सबसे कम उम्र के सेनेट और सिंडिकेट सदस्य के रूप में, वे इस मंच का उपयोग युवाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की व्यवस्था करने के लिए कर रहे हैं, विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में कुछ बुनियादी सुझावों को प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं, कुछ नए संस्थानों, केंद्रों और कार्यालयों को शुरू करने और कुछ नवीन अवधारणाओं का समर्थन करने का प्रयास कर रहे हैं।

एमएसयू में योगदान

-जनवरी 2012 में "भारत में सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन के लिए युवा" विषय पर एक 3 दिवसीय राष्ट्रीय युवा सम्मेलन - "युगांतर" का आयोजन किया।

-"भारत का विश्व में योगदान" विषय पर जनवरी 2018 में दूसरा संस्करण।

-"राष्ट्र" विषय पर जनवरी 2019 में तीसरा संस्करण।

- "विविधता में एकता" विषय पर जनवरी 2020 में चौथा संस्करण।

- जनवरी 2013 में एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा की पहली विश्वविद्यालय स्तर की पूर्व छात्रों की बैठक - "रीयूनियन" का आयोजन किया।

- एमएसयू बड़ौदा में 14-15-16 दिसंबर 2018 को शहीद कथा (21 परमवीर चक्र प्राप्तकर्ताओं की बहादुरी की कहानियां) का आयोजन।

- उन्होंने छात्र कल्याण निदेशालय की स्थापना करके हमारे समाज के सभी जातियों और समुदायों के लिए उनकी आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर जरूरतमंद छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की शुरुआत की है।

- वे निम्न पहल करने में अग्रणी थे

1. कम्यूनिकेशन सेल
2. ऑफिस ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स

- वे निम्न के संस्थापक/प्रस्तावक थे

1. ऑफिस अल्यूमिनाई अफेयर्स
2. ऑफिस ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स
3. ऑफिस ऑफ डोनर रिलेशन्स
4. ऑफिस ऑफ स्टूडेंट करियर एडवान्समेन्ट

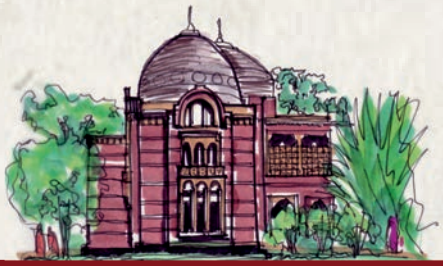

उन्होंने निम्न पहल की है

1. एमएसयू आइडियाज कॉन्क्लेव

छात्रों, स्टाफ सदस्यों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के शुभचिंतकों द्वारा एमएसयू की बेहतरी के लिए विभिन्न विचारों को प्रस्तुत करने का एक मंच।

2. माईएमएसयू मोबाइल एप्लीकेशन

विभिन्न मुद्दों के संबंध में विभिन्न प्रकार की शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक एप्लीकेशन।

3. देने की खुशी (जॉय ऑफ गिविंग)

ऑनलाइन रक्त दाताओं का पोर्टल

रक्तदाताओं और जरूरतमंदों को जोड़ने के लिए ऑनलाइन पहल।

4. एमएसयू कनेक्ट

विश्वविद्यालय की अपनी आधिकारिक पत्रिका।

5. अकादमिक इंटर्नशिप

पूरे विश्वविद्यालय के लिए अकादमिक इंटर्नशिप का आयोजन करना।

6. तत्व

एमएसयू का अपना रॉक म्यूजिक बैंड।

7. छात्रवृत्ति केंद्र- सभी प्रकार की छात्रवृत्ति के संबंध में सभी उपलब्ध जानकारी प्रदान करना।

8. छात्र सुविधा केंद्र- विश्वविद्यालय प्रधान कार्यालय में एकल खिड़की पर सभी आवश्यक सेवाएं प्रदान करना।

9. एमएसयू यादें- हमारे विश्वविद्यालय की स्मृति के रूप में स्मृति चिन्ह प्राप्त करने का स्थान।

भारत में अब तक का पहला पाठ्यक्रम शुरू किया गया

1. एकात्म मानव दर्शन

2. स्वास्थ्य और स्वच्छता शिक्षा

समाज और अकादमिक बिरादरी की बेहतरी के लिए छात्रों और विश्वविद्यालय की कुछ पहलों की शुरूआत / प्रचार + समर्थन किया।

1. सयाजी एफएम - विश्वविद्यालय का अपना ऑनलाइन रेडियो स्टेशन।

2. एमएसयू वॉक- हमारी जड़ों के लिए मार्ग एमएसयू के बुनियादी परिचय के लिए सैर।

3. सयाजी प्रतिष्ठान- सर सयाजीराव गायकवाड़ से संबंधित साहित्य के अध्ययन के लिए पहल।

4. स्वास्थ्य और स्वास्थ्य परामर्श केंद्र।

5. इनक्यूबेशन सेंटर और सेंटर फॉर इनोवेशन - विश्वविद्यालय के छात्रों के बेहतर व्यावसायिक विचारों और नवाचारों के लिए मंच प्रदान करना।

6. सयाजी साहित्य उत्सव – एमएसयू का खुद का लिट फेस्ट

7. सैमकीलिंग तिब्बती सांस्कृतिक केंद्र - सयाजी स्वराभिषेक की शुरूआत - कला संकाय द्वारा विशेष दिनों में सयाजीराव गायकवाड़ को सुबह-सुबह श्रद्धांजलि।

संस्थान कुछ पहल शुरू करने की प्रक्रिया में है:

1. मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए कॉल सेंटर- छात्रों के मनोवैज्ञानिक परामर्श के लिए एक टेलीफोन नंबर

2. ऑनलाइन जॉब पोर्टल- नौकरी चाहने वालों और नौकरी देने वालों के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

3. पूर्वोत्तर सांस्कृतिक केंद्र

4. जम्मू-कश्मीर सांस्कृतिक केंद्र -

कॉर्पोरेट गवर्नेन्स और उद्यमिता के लिए एक केंद्र का प्रस्ताव रखा है।

इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप एंड गवर्नेंस (आईएलजी) में योगदान

वे इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप एंड गवर्नेंस के प्रस्तावक और संस्थापक हैं जहां विश्वविद्यालय के छात्रों के समग्र नेतृत्व विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। समाज के विभिन्न वर्गों के लिए 1 घंटे से 1 वर्ष की अवधि के साथ शुरू होने वाले विभिन्न प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और कार्यक्रम हैं।

संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम राजनीतिक प्रबंधन, नेतृत्व और शासन में एक वर्षीय पूर्णकालिक डिप्लोमा (संस्थान का एक प्रमुख कार्यक्रम) था।
यह राष्ट्र की पहली पहल है। यह राजनीतिक रूप से इच्छुक युवाओं के लिए शिक्षा की व्यावहारिक और सैद्धांतिक अवधारणाओं से युक्त एक पाठ्यक्रम है। पहले बैच से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने पर, अनूठी पहल को उन्नत किया गया है। 60 क्रेडिट का 1 वर्षीय पूर्णकालिक डिप्लोमा कार्यक्रम जो हर साल 15 अगस्त से शुरू होता है। इस पहल का छठा बैच शुरू किया गया है।

नेतृत्व और गवर्नेन्स संस्थान के 5 स्तंभ।
1. छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम
(अवधारणा का एक कार्यान्वियन - प्रत्यक्ष प्रशासन के व्यावहारिक प्रदर्शन के साथ आप सीखते-सीखते कमाएं। इसे छात्रों के लिए कैरियर प्रगति कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया है।)

2. कौशल विकास और क्षमता निर्माण केंद्र
(इसे त्रिवेणीदेवी काशीनाथ अग्रवाल प्रबंधन विकास केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया है।)

3. सद्भावना- सेंटर फॉर थियोलॉजिकल स्टडीज
(विभिन्न धर्मों के वास्तविक सार की मदद से पूरे समाज को एकजुट करने का एक मंच।)

4. सिंधु- भारतीय अध्ययन केंद्र
(भारतीय संस्कृति और समाज के विभिन्न गौरवपूर्ण तत्वों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक अभियान)

5. अर्पण मंदिर
(जहाँ समाज का एक वर्ग अनुपयोगी वस्तुएँ समाज के दूसरे जरूरतमंद वर्ग के लिए दान कर सकता है)

संस्थान आईएलजी का मासिक न्यूजलेटर "युगांतर" शुरू करने जा रहा है।

आईएलजी के तहत अब तक की गतिविधियां:
1. गुजरात यंग थिंकर्स मीट, 9 और 10 जनवरी, 2016.
2. स्वास्थ्य और स्वच्छता शिक्षा में भारत का पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम, OASIS के सहयोग से जनवरी, 2016 (10 दिन का, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) से शुरू हुआ।
3. आपदा प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (2 दिन का, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण)।
4. 2016 और 2017 में सामाजिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (एसएलडीपी) के दो बैच (प्रत्येक में 10 दिन)।
5. वार्षिक 1 महीने की ग्रीष्मकालीन सामाजिक-राजनीतिक इंटर्नशिप "कंट्री-ब्यूशन" - छुट्टियों में, जून 2016, जून 2017, जून 2018 और जून 2019 में राष्ट्र के लिए एक महीना।
6. यूथ फॉर सेवा (वाईएफएस) के सहयोग से विभिन्न स्वयंसेवी कार्यक्रम।
7. अगस्त-सितंबर 2016 के दौरान भगवद गीता पर पहला सर्टिफिकेट कोर्स (18 दिन का)।

25 अगस्त 2017 से 11 सितंबर 2017 तक दूसरा बैच और 2 सितंबर 2018 से 19 सितंबर 2018 तक तीसरा बैच, 24 अगस्त 2019 से चौथा बैच और दिसंबर 2021 में पांचवां बैच।
8. 15 अक्टूबर 2016 को कलाम यूथ कॉन्क्लेव का पहला संस्करण और यूथ फॉर सर्विस के सहयोग से 29 अक्टूबर 2017 को दूसरा संस्करण।
9. बड़ौदा बीट के सहयोग से स्टार्ट-अप चर्चा।
10. एमएसयू स्पेसएक्स - 4 से 11 अक्टूबर 2016 के बीच विश्व अंतरिक्ष सप्ताह का आयोजन।
11. अक्टूबर, 2016 में एमएसयू मॉडल संयुक्त राष्ट्र (एमयूएन)।
12. बड़ौदा बीट के सहयोग से निवेशक उद्यमी।
13. बड़ौदा बीट के सहयोग से एचआर टॉक शो।
14. स्टोरीटेलिंग क्लब (साप्ताहिक) बड़ौदा बीट के सहयोग से।
15. कौटिल्य अर्थशास्त्र पर पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम, नवंबर 2016 में पहला संस्करण, जनवरी 2017 में दूसरा संस्करण और दिसंबर 2018 में तीसरा संस्करण।
16. गुजरात के विचारकों ने 5 अलग-अलग खंडों में दूसरा संस्करण पूरा किया
- स्कूल के छात्र
- कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र
- 40 वर्ष से कम के पेशेवर
- 40 वर्ष से ऊपर के पेशेवर
- 24 और 25 दिसंबर 2016 को सेवानिवृत्त व्यक्ति।
17. मार्ग द्वारा डॉ. अनल मेहता और डॉ. मैत्री शाह द्वारा मेनोपॉज पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
18. "आई-लीड" - श्रीमती अरुणा श्रीवास्तव द्वारा प्रामाणिक नेतृत्व पर एक कार्यशाला।
19. 1 से 10 जून 2017 तक सयाजी स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन और 1 जुलाई 2018 से 10 जुलाई 2018 तक दूसरा संस्करण।
20. फिन्स 2017 के सहयोग से युवा रणनीतिकारों की शिखर बैठक।
21. सयाजीराव गायकवाड़ के जीवन और कार्यों पर पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम तीसरा (2017 में दूसरा संस्करण)।
22. वडोदरा बुक रिव्यू क्लब।
23. टेडएक्स - द एम.एस. युनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, 23 जुलाई, 2017 को।
24. राष्ट्रीय एकता की दिशा में एक प्रयास:उत्तर पूर्वी राज्यों, तिब्बती छात्रों और छात्रावास में रहने वाले और अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाने के लिए घर नहीं जाने वाले अन्य सभी छात्रों के साथ वार्षिक रक्षा बंधन उत्सव और नए साल के समारोह का आयोजन।
25. 31 अक्टूबर को सरदार पटेल पर पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम संपन्न किया।
26. 2017 में रामायणके उपदेश पर पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम संपन्न किया।
27. 15-16 दिसंबर 2018 को महाभारत के उपदेश पर अब तक का पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित किया।
28. जनवरी 2019 में "लर्निंग्स फ्रॉम पंचतंत्र" पर अब तक का पहला सर्टिफिकेट प्रोग्राम आयोजित किया।
29. जनवरी 2019 में "इमोशनल इंटेलिजेंस" पर पहला सर्टिफिकेट प्रोग्राम आयोजित किया।
30. अगस्त 2019 में "वीर सावरकर" पर अब तक का पहला प्रमाणपत्र कार्यक्रम संपन्न किया।
31. "गुजरात थिंकर्स फोरम",

वर्तमान पीढ़ी में विचार-विमर्श संस्कृति शुरू करने की एक पहल, जहां बच्चे हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को समसामयिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं।

- **सार्वजनिक व्याख्यान**

1. श्री राम माधव, निदेशक, इंडिया फाउंडेशन का विश्वगुरु भारत पर सार्वजनिक व्याख्यान, अतीत, वर्त्तमान और भावी, 10 जनवरी, 2016
2. अमेरिकी राष्ट्रपति की सलाहकार समिति (मानव तस्करी) के सदस्य, श्री हेरोल्ड डिसूजा द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान, आप पर अपने भविष्य की भविष्यवाणी नहीं कर सकते, लेकिन आप अपना भविष्य बना सकते हैं, 8 फरवरी 2016.
3. 10 फरवरी, 2016 को संस्कृति द्वारा राष्ट्र और चरित्र निर्माण पर प्रसिद्ध कलाकार डॉ. अर्शिया शेठी द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान।
4. श्रीमती अस्मी अली, (यूके स्थित कॉर्पोरेट ट्रेनर) का पूर्व छात्र मामलों के कार्यालय के सहयोग से महिला नेतृत्व भूमिका पर सार्वजनिक व्याख्यान।
5. 10 जुलाई 2016 को सेवागुरु भारत पर सेवा के लिए युवा संस्थापक श्री वेंकटेश मूर्ति का सार्वजनिक व्याख्यान।
6. "बजट" पर खुली चर्चा – कॉर्पोरेट से आम आदमी तक।
7. नीरव मुजमुदार, प्रशिक्षक और सलाहकार द्वारा "विमुद्रीकरण" पर एक खुली चर्चा: नवी नोट: कोने फायदो कोने खोट 18 नवंबर 2016.

- **कौशल विकास और क्षमता निर्माण केंद्र के तहत**

1. अंग्रेजी सुधार विषय में प्रमाणपत्र कार्यक्रम। (7 बैच)
2. स्व-विकास विषय में प्रमाणपत्र कार्यक्रम। (4 बैच)
3. बेसिक कंप्यूटर और इंटरनेट से परिचय विषयमें सर्टिफिकेट प्रोग्राम। (2 बैच)
4. इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग विषयमें सर्टिफिकेट प्रोग्राम। (3 बैच)
5. संचार कौशल विषयमें प्रमाणपत्र कार्यक्रम (1 बैच)

- **नेतृत्व और गवर्नेन्स संस्थान के तहत आगामी पहल**

1. युगांतर फैलोशिप- इस फैलोशिप के तहत 100 छात्र 50 गांवों को गोद लेंगे और 100 छात्र 50 शहरी झुग्गियों 1 वर्ष के लिए को गोद लेंगे, जो जनवरी में शुरू किया जाएगा और हर साल 1 जुलाई से शुरू होगा।
2. युगांतर- प्रत्येक वर्ष 11-12-13 जनवरी को आयोजित होने वाला राष्ट्रीय युवा सम्मेलन।
3. युगांतर बैठक- (गुजरात थिंकर्स मीट)

हर साल जून के अंतिम शनिवार-रविवार या जुलाई के पहले शनिवार-रविवार को गुजरात के परिवर्तन कर्ताओं की वार्षिक सभा।

4. हर साल 14 अगस्त को एनुअल लीडरशिप कॉन्क्लेव

(अखंड भारत संकल्प दिवस और डीपीएलजी कार्यक्रम का दीक्षांत समारोह)

5. डॉ. कलाम यूथ कॉन्क्लेव - (जनता के राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर हर साल 15 अक्टूबर को)
6. हर साल 26 नवंबर को भारत के संविधान के परिचय पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम।
7. वार्षिक गवर्नेन्स सम्मेलन - (हर साल 25 दिसंबर यानी सुशासन दिवस)
8. बुनियादी कानूनों के परिचय पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम।
9. भारत का संविधान बनाने में बड़ौदा राज्य के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।
10. माइनर हिंट्स पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बड़ौदा राज्य के दीवान राजा सर टी. माधव राव द्वारा सर सयाजीराव गायकवाड़ III के संपूर्ण प्रशिक्षण को उजागर करनेवाली पुस्तक)
11. एमएसयू परिचय पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
12. वडोदरा परिचय पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
13. गुजरात परिचय पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
14. भारत परिचय पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
15. हमारे देश के सभी राज्य स्थापना दिवसों का उत्सव
16. तिब्बत का राष्ट्रीय जनतांत्रिक दिवस हर साल 2 सितंबर को मनाया जाता है।

- **सद्भावना-धर्मशास्त्रीय अध्ययन केंद्र के तहत आगामी पहल**

1. बाइबिल और ईसाई धर्म के उपदेश
2. टोरा और यहूदी धर्म के उपदेश
3. अवेस्ता और पारसी धर्म के उपदेश
4. कुरान और इस्लाम के उपदेश
5. त्रिपिटक और बौद्ध धर्म के उपदेश
6. आगम सूत्र और जैन धर्म के उपदेश
7. गुरु ग्रंथ साहिब और सिख धर्म के उपदेश
8. विभिन्न धर्मों को जोड़ने वाले प्रमुख तत्व

- **सिंधु-सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज के तहत आगामी पहल**

1. **वेदों का परिचय** (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद)
2. उपनिषदों का परिचय
3. कृष्णा नीति में प्रमाणपत्र कार्यक्रम
4. विदुर-नीति में प्रमाणपत्र कार्यक्रम
5. छत्रपति शिवाजी महाराज पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
6. स्वामी विवेकानंद के जीवन और कार्यों पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम।
7. महर्षि अरविंद के जीवन और कार्यों पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
8. महात्मा गांधी के जीवन और कार्यों पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
9. नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और कार्यों पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
10. डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के जीवन और कार्यों पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
11. कनिक नीति पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
12. विभीषण गीता पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम
13. पतंजलि योग सूत्र पर प्रमाणपत्र कार्यक्रम

छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम

छात्र इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करके विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक अभिनव मंच प्रारंभ किया - छात्रों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और विश्वविद्यालय की विभिन्न उपक्रमोंका हिस्सा बनने के लिए एक मंच जिसमें उन्होंने विभिन्न निम्न गतिविधियों के प्रसार और विस्तार के लिए विभिन्न टीमों और व्यवस्था का निर्माण किया है।

1. एमएसयू इवेंट मैनेजमेंट टीम
विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों की योजना, आयोजन, निष्पादन और प्रबंधन
2. एमएसयू समन्वय टीम
अन्य विश्वविद्यालयों के साथ हमारे विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों और कार्यक्रमों का समन्वय
3. एमएसयू प्रमोशन टीम
हमारे विश्वविद्यालय, उसके कार्यक्रमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देना
4. एमएसयू फंड जुटाने वाली टीम
विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए धन जुटाना
5. एमएसयू वेबसाइट टीम
विश्वविद्यालय की वेबसाइट को रखरखाव, अद्यतन और अपग्रेड करना
6. एमएसयू रखरखाव टीम
रखरखाव से संबंधित विभिन्न मुद्दों का ध्यान रखना
7. एमएसयू कैंपस सौंदर्यीकरण टीम
विश्वविद्यालय परिसर के सौंदर्यीकरण की दिशा में कार्य करना
8. एमएसयू सोशल मीडिया टीम
विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एमएसयू को बढ़ावा देना
9. एमएसयू डिजाइनिंग टीम
विभिन्न विश्वविद्यालय गतिविधियों के विभिन्न मामलों को डिजाइन करना
10. एमएसयू वीडियो मेकिंग और फोटोग्राफी टीम
विश्वविद्यालय और उसकी गतिविधियों से संबंधित वीडियो बनाना
11. एमएसयू ड्राफ्टिंग टीम
विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों का मसौदा तैयार करना
12. एमएसयू दस्तावेज़ीकरण टीम
विश्वविद्यालय और उसकी गतिविधियों का उचित दस्तावेजीकरण करना
13. एमएसयू प्रोटोकॉल इंटर्न टीम
विश्वविद्यालय के सम्मानित अतिथियों के लिए प्रोटोकॉल प्रदर्शित करने और बनाए रखने के लिए एक टीम।

टीम एमएसयू मोबाइल ऐप

इस पहल के माध्यम से उन्होंने शिकायत निवारण से लेकर एमएसयू परिवार की बेहतरी के लिए सुझाव एकत्र करने और बिरादरी के बीच उपयोगी जानकारी फैलाने के लिए एक ऑनलाइन मंच स्थापित करने का प्रयास किया है।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर)

उन्होंने 16 सितंबर 2016 को सलाहकार एवं क्षेत्रीय अधिकारी के रूप में ICCR में ज्वाइन किया और 1 जनवरी 2019 को सलाहकार एवं क्षेत्रीय निदेशक के रूप में फिर से ज्वाइन किया। उनके कार्यकाल के दौरान गुजरात में विदेशी छात्रों की संख्या 212 से बढ़कर 1100 हो गई। संस्कृति गतिविधियों की पहुंच और संख्या में भी काफी वृद्धि हुई।

दिल्ली विश्वविद्यालय

- चेयरमैन, गवर्निंग बॉडी, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- सदस्य, गवर्निंग बॉडी, दयालसिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- सलाहकार समिति सदस्य, सेंटर फॉर ग्लोबल स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय

साहित्य क्षेत्र में योगदान

जनसंघ के संस्थापकों में से एक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की पुस्तक एकात्म मानव दर्शन, जो भाजपा की विचारधारा है, जिसे मूल रूप से डॉ. महेशचंद्र शर्मा द्वारा हिंदी में लिखा गया था उसका गुजराती में अनुवाद किया गया और दोनों भाषाओं में पुस्तक, ई-बुक और ऑडियो बुक के रूप में प्रकाशित किया गया। वीर सावरकर के जीवन और कार्य विषय में विद्वान संशोधकों द्वारा लिखित लेखों का संग्रह "वीर सावरकर: एकता और अखंडता के साधक" का संपादन।

माइनर हिंदस

तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधान मंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्रभाई मोदी की इच्छा अनुसार "माइनर हिंदस" (बड़ौदा के सबसे लोकप्रिय और दूरदर्शी शासक सर सयाजीराव गायकवाड़ की संपूर्ण शिक्षा पर सर टी. माधवराव द्वारा लिखित) का अंग्रेजी से हिंदी में "शासनसूत्र" शीर्षक से अनुवाद किया। यह पुस्तक 13 जनवरी 2018 को युगान्तर 2018 में गुजराती, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में पुस्तक, ई-बुक और ऑडियो बुक के रूप में लॉन्च की गई है। यह पुस्तक अब विभिन्न सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों का हिस्सा है। और डॉ. जिगर इनामदार इस पुस्तक को लेकर देशभर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं।

जीवन के लक्ष्य

24 दिसंबर, 2029 से पहले हासिल किए जाने वाले लक्ष्य इस प्रकार हैं:

1) शिक्षा
(जरूरतमंद छात्रों को शिक्षा के लिए हर संभव मदद के लिए एक पूर्ण स्थायी प्रणाली की स्थापना और सभी उपलब्ध छात्रवृत्ति का समन्वय)।

2) रोजगार और उद्यमिता विकास
(वार्षिक रोजगार मेले और नौकरी के अवसरों और उद्यमिता के संबंध में सभी उपलब्ध सूचनाओं का समन्वय)।

3) अन्नपूर्णा मंदिर
(सभी को खाना खिलाने के लिए एक जगह)

4) परिवार
(एक गांव/कस्बा, जहां परिवार से दूर बुजुर्ग माता-पिता, विधवाएं या अपने परिवार से अलग महिलाएं, शारीरिक और मानसिक रूप से दिव्यांग लोग, अंधे, बहरे और गूंगे लोग, एक परिवार इकाई के रूप में सभी एक साथ रहें))

5) सामूहिक विवाह
(हर साल देव दिवाली पर समाज के सहयोग से जरूरतमंद परिवारों के सामूहिक विवाह)।

राष्ट्र
सर्वप्रथम
सर्वोपरी

संपर्क सूत्र

www.jigarinamdar.com
drjcinamdar@gmail.com
+91 99250 88855

कार्यालय:-
402 और 404, रजनीगंधा अपार्टमेंट
टावर ए, दीवालीपुरा वडोदरा, गुजरात, भारत

घर का पता:-
पी 7-8, संगाथ बंगलोज
एस्सार पेट्रोल पंप के पीछे समा-सावली रोड, वडोदरा
पिन कोड: 390008 गुजरात, भारत

स्थायी पता:-
श्री राम फलियु ग्राम: माल अंकलिया
पोस्ट: रानीपुरा, तालुका: सावली, जिला: वडोदरा
पिन कोड: 391520 गुजरात भारत

कार्यालय संपर्क विवरण:
+91 9227788855 | oodjci@gmail.com
श्री अचीव शर्मा
(डॉ. जिगर इनामदार के कार्यालय के ओएसडी)

jigar_inamdar @jigar_inamdar Dr Jigar Inamdar
Dr Jigar Champaklal Inamdar jigarinamdar

राष्ट्र - सर्वप्रथम -सर्वोपरी

संवेदना - स्वयं हो राष्ट्र के लिए समर्पित